भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3115

जिसका उत्तर 06.08.2026 को दिया जाना है

आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों में सुधार

†3115. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर चिन्हित दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों के अल्पकालिक और दीर्घकालिक सुधार की जिला-वार स्थिति क्या है; और

(ख) आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवधिक सड़क सुरक्षा संपरीक्षा करने और नए दुर्घटना-आशंकित स्थलों की पहचान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर कुछ निरंतर खंडों की पहचान की गई हैं, जो दुर्घटना बाहुल्य स्थलों (ब्लैक स्पॉट) के मानदंडों को पूरा करते हैं, अर्थात् ऐसे स्थान जहां बार-बार कुछ ऐसी दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें मृत्यु और गंभीर चोटें होती हैं। इन खंडों की पहचान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर द्वारा विकसित एआई आधारित उपकरणों के माध्यम से वास्तविक समय के आधार पर की गई है। 2023-2025 की अवधि के लिए इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (ई-डीएआर) से उपलब्ध दुर्घटना डेटा के आधार पर 6,358 ब्लैक स्पॉट कॉरिडोर की पहचान की गई है। आंध्र प्रदेश राज्य में जिला-वार ब्लैक कॉरिडोर की सूची **अनुलग्नक** में संलग्न है।

ब्लैक स्पॉट को समाप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। ब्लैक कॉरिडोर के तत्काल सुधार के लिए अल्पकालिक उपायों में सड़क चिह्नांकन, संकेतक, क्रैश बैरियर, रोड स्टड, डेलिनेटर, मध्य (मीडियन) में अनधिकृत प्रवेश को बंद करना, यातायात सुचारू करने के उपाय, राजमार्ग पर प्रकाश व्यवस्था आदि शामिल हैं। स्थल (साइट) की आवश्यकता के अनुसार, ब्लैक कॉरिडोर के सुधार के लिए सड़क ज्यामिति में सुधार, जंक्शन सुधार, कैरिजवे का स्पॉट चौड़ीकरण, अंडरपास/ओवरपास का निर्माण आदि जैसे दीर्घकालिक सुधार उपाय भी किए जाते हैं। दीर्घकालिक सुधार कार्यों में भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी और जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण जैसे निर्माण पूर्व-कार्य शामिल हैं, जिसमें काफी समय लगता है।

नवनिर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों को जनता के लिए खोलने से पहले उनके स्वतंत्र मूल्यांकन हेतु सड़क सुरक्षा लेखापरीक्षा (ऑडिट) किया जाता है। सड़क सुरक्षा से संबंधित सड़क संकेतक और चिह्नांकन से जुड़े मुद्दे सहित सभी चिह्नित मुद्दों का समाधान सड़क को जनता के लिए खोलने से पहले किया जाता है। इसके

पश्चात्, परियोजना राजमार्ग के संचालन के दौरान, नियमित अंतराल पर मूल्यांकन किया जाता है, ताकि संचालन चरण के दौरान सामने आने वाले सुरक्षा मुद्दों की पहचान की जा सके और समयबद्ध तरीके से आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जा सकें। इसके अलावा, सभी मौजूदा और नए राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना डेटा की निगरानी पूरे भारत में ईडीएआर पोर्टल (इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट) के माध्यम से की जाती है और दुर्घटना स्थलों की पहचान की जाती है। इसके साथ ही, सभी फील्ड अधिकारियों को इन पहचाने गए दुर्घटना स्थलों के ब्लैकस्पॉट बनने से रोकने के लिए अग्रिम सुधारात्मक कार्रवाई करने के अधिकार दिए गए हैं।

अनुलग्नक

"आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों में सुधार" के संबंध में श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी द्वारा पूछे गए दिनांक 06.08.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3115 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

ज़िला	ब्लैक कॉरिडोर की संख्या
अनकापल्ली	33
अनकापल्ली, काकीनाडा	1
अनंतपुर	2
अन्नमय्या	9
बापतला	3
चित्तूर	11
पूर्वी गोदावरी	46
पूर्वी गोदावरी, कोनासीमा	1
एलुरु	19
गुंटूर	17
काकीनाडा	28
कोनासीमा	6
कृष्णा	25
कृष्णा, एलुरु	1
कुरनूल	8
नंदमूरी तारक रामाराव	24
नंदमूरी तारक रामाराव, कृष्णा	1
नांदयाल	4
पालनाडु	7
प्रकाशम	12
एसपीएसआर नेल्लोर	31
श्री सत्य साई	6
श्रीकाकुलम	30
तिरुपति	12
विशाखापत्तनम	23
विशाखापत्तनम, विजयनगरम	1
विजयनगरम	13
विजयनगरम, श्रीकाकुलम	1
पश्चिम गोदावरी	7
वाईएसआर कडप्पा	2

*****